प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ

प्रिलिम्स के लिये:

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ, **सहकार से समृद्धि, सहकारी,** उर्वरक, आत्मनिर्भर भारत

मेन्स के लिये:

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री के "**सहकार से समृद्धि**" के विज़न को साकार करने की दिशा में सरकार ने **प्राथमिक कृषि ऋण समितियों** (Primary Agricultural Credit Societies- PACS) की आय में वृद्धि करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिये पाँच निर्णय लिये हैं।

- सरकार का लक्ष्य "**सहकार से समृद्धि**" के माध्यम से देश में समग्र समृद्धि का उद्देश्य प्राप्त करना है। **इसे पारदर्शिता, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्द्धात्मकता द्वारा सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने के लिये प्रस्तावित किया गया था।**

पाँच महत्त्वपूर्ण निर्णय:

- **उर्वरक खुदरा विक्रेताओं के रूप में कार्य नहीं कर रहे PACS की पहचान की जाएगी और उन्हें चरणबद्ध तरीके से व्यवहार्यता के आधार पर खुदरा विक्रेताओं के रूप में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित** किया जाएगा।
- वर्तमान में **प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (PMKSK) के रूप में काम नहीं कर रहे PACS को PMKSK के दायरे** में लाया जाएगा।
  - प्रधानमंत्री ने रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत वर्ष 2022 में 600 PMKSK का उद्घाटन किया।
  - ये केंद्र किसानों की विभिन्न प्रकार की ज़रूरतों को पूरा करेंगे और कृषि-इनपुट, मृदा, बीज तथा उर्वरक के लिये परीक्षण सुविधाएँ भी प्रदान करेंगे।
- **जैविक उर्वरकों, विशेष रूप से फर्मेंटेड जैविक खाद (FoM)**/ तरल फर्मेंटेड जैविक खाद (LFOM) / फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद (PROM) के विपणन में PACS को जोड़ा जाएगा।
- उर्वरक विभाग की **मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस (MDA) योजना** के तहत उर्वरक कंपनियाँ छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिये एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी, इस आपूर्ति और विपणन शृंखला में थोक/ खुदरा विक्रेताओं के रूप में PACS को भी शामिल किया जाएगा।
- उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिये PACS को **ड्रोन** उद्यमियों के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा, साथ ही, ड्रोन का उपयोग संपत्ति सर्वेक्षण के लिये भी किया जा सकता है।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ:

- **परिचय:**
  - PACS ग्राम स्तर की **सहकारी ऋण समितियाँ** हैं जो राज्य स्तर पर **राज्य सहकारी बैंकों (State Cooperative Banks- SCB)** की अध्यक्षता वाली त्रि-स्तरीय सहकारी ऋण संरचना में अंतिम कड़ी के रूप में कार्य करती हैं।
    - SCB से क्रेडिट का हस्तांतरण **ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंकों (District Central Cooperative Banks- DCCB)** को किया जाता है, जो ज़िला स्तर पर काम करते हैं। ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंक PACS के साथ काम करते हैं, साथ ही ये सीधे किसानों से जुड़े हैं।
  - PACS **विभिन्न कृषि और कृषिगतविधियों हेतु किसानों को** अल्पकालिक एवं मध्यम अवधि के कृषि ऋण प्रदान करते हैं।
  - पहला PACS **वर्ष 1904 में** बनाया गया था।

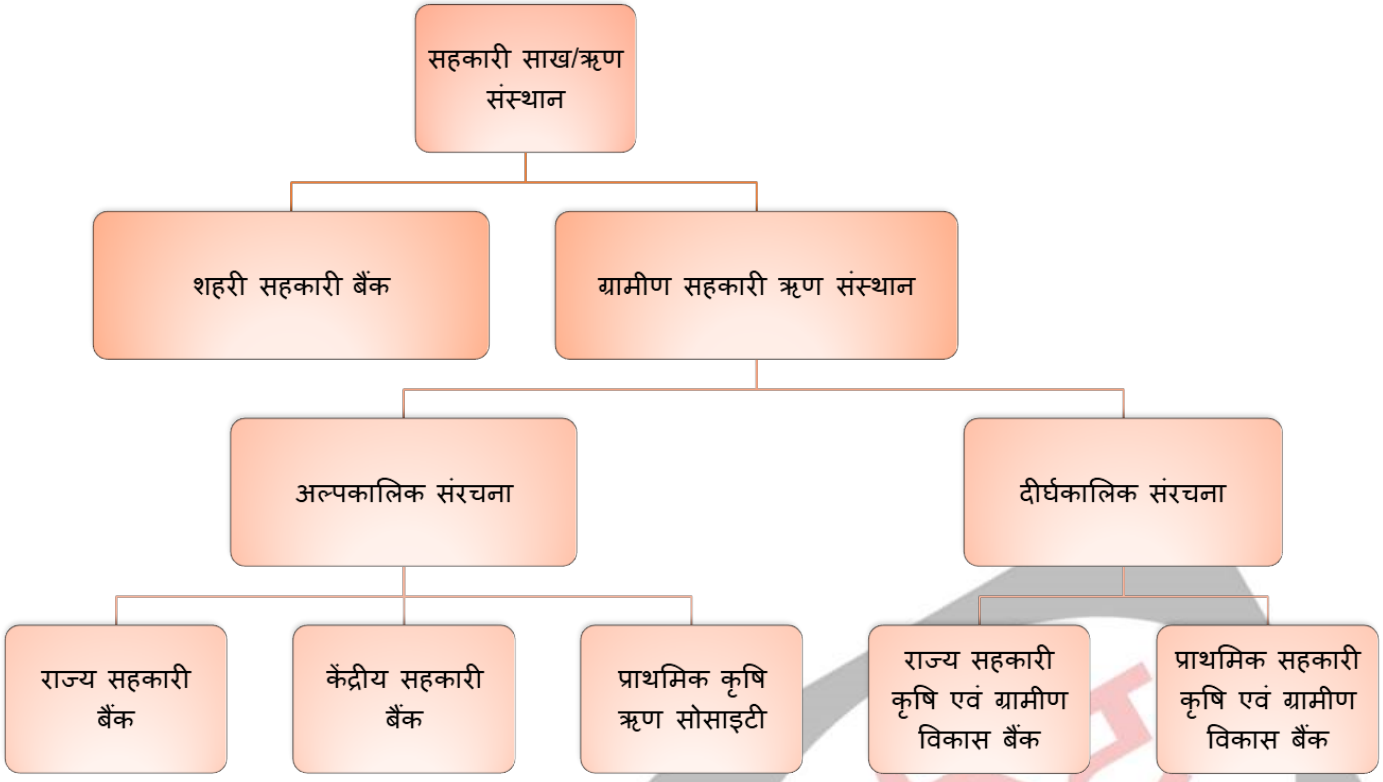

//

- **स्थिति:**
  - भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 27 दिसंबर, 2022 को प्रकाशित एक रिपोर्ट में PACS की संख्या 1.02 लाख बताई गई है। मार्च 2021 के अंत में इनमें से केवल 47,297 लाभ की स्थिति में थे।
- **महत्त्व:**
  - **क्रेडिट तक पहुँच:**
    - वे **छोटे किसानों को ऋण तक पहुँच** प्रदान करते हैं जिसका उपयोग वे अपने खेतों के लिये **बीज़, उर्वरक और अन्य सामग्री खरीदने** के लिये कर सकते हैं। इससे उन्हें अपने उत्पादन में सुधार करने तथा आय बढ़ाने में मदद मिलती है।
  - **वित्तीय समावेशन:**
    - PACS **ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन** को बढ़ाने में मदद करते हैं जहाँ औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सीमित है। वे उन किसानों को **बुनियादी बैंकिंग सेवाएँ** प्रदान करते हैं जैसे- बचत और ऋण खाते जिनकी औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच नहीं हो सकती है।
  - **सुविधाजनक सेवाएँ:**
    - PACS प्राय: **ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित** होते हैं जो **किसानों** के लिये उनकी सेवाओं तक **पहुँच** को सुविधाजनक बनाता है। PACS में कम समय में न्यूनतम कागज़ी कार्रवाई के साथ **ऋण देने की क्षमता** है।
  - **बचत संस्कृति को बढ़ावा देना:**
    - PACS **किसानों को पैसे बचाने** के लिये प्रोत्साहित करती है जिसका उपयोग उनकी आजीविका में सुधार करने और उनके खेतों में

नविश करने के लयि कयिा जा सकता है।

- **क्रेडटि अनुशासन को बढ़ाना:**
  - PACS समय पर अपने ऋण चुकाने के लयि **कसिानों के बीच ऋण अनुशासन** को बढ़ावा देती हैं। ये **डफिॉल्ट के जोखमि को कम करने** में मदद करते हैं जो ग्रामीण वत्तिीय क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

PACS संबंधी मुद्दे:

- **अपर्याप्त कवरेज:**
  - हालाँकि भौगोलकि रूप से सक्रयि PACS **5.8 गाँवों में से लगभग 90% को कवर** करते हैं लेकनि देश के कुछ हस्सिे (वशिषत: उत्तर-पूर्व में) ऐसे हैं जहाँ यह कवरेज बहुत कम है।
  - इसके अलावा **सदस्यों के रूप में शामलि की गई ग्रामीण आबादी सभी ग्रामीण परविारों का केवल 50% है।**
- **अपर्याप्त संसाधन:**
  - **PACS के संसाधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की लघु और मध्यम अवधि की ऋण** आवश्यकताओं के संबंध में अपर्याप्त हैं।
  - यहाँ तक कि इन अपर्याप्त नधियिों का बड़ा हस्सिा उच्च वत्तिपोषण एजेंसयिों से आता है, न कि समतियिों के **स्वामत्वि वाले वत्तिपोषण या उनके द्वारा जमा संग्रहण के माध्यम से।**
- **अतदिय और NPA:**
  - PACS हेतु बड़ी बकाया राशि एक बड़ी समस्या बन गई है।
    - वर्ष 2022 में RBI की रपिोर्ट के अनुसार, PACS ने 1,43,044 करोड़ रुपए के ऋण और 72,550 करोड़ रुपए के NPA की सूचना दी थी। महाराष्ट्र में 20,897 PACS हैं जनिमें से 11,326 घाटे में हैं।
  - वे ऋण योग्य धन के प्रवाह को सीमति करते हैं, उधार लेने और उधार देने हेतु समाज की क्षमता को कमज़ोर करते हैं और उन्हें यह आभास कराते हैं कि डिफॉल्ट देनदारों को लेकर समाज दुर्भावनापूर्ण तरीके से कार्य कर रहे हैं।

आगे की राह

- PACS भारत के ग्रामीण वत्तिीय क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण संस्थान हैं और आत्मनरि्भर भारत **एवं वोकल फॉर लोकल अभयिान** के दृष्टकिोण में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ये सदयिों पुराने संस्थान आत्मनरि्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नींव के रूप में काम कर सकते हैं।.
- अपनी क्षमता को अधकितम करने के लयि PACS को **अधकि कुशल, वत्तिीय रूप से टकिाऊ और कसिानों के लयि सुलभ बनाने की आवश्यकता** है। इसके लयि उनके संचालन एवं प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता है।
- इसके अतरिक्ति प्रभावी प्रशासन और कसिानों की ज़रूरतों को पूरा करने की **क्षमता सुनश्चिति करने के लयि PACS को नयिंत्रति करने वाले नयिामक ढाँचे को मज़बूत** कयिा जाना चाहयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

प्रलिमि्स:

प्रश्न. नमि्नलखिति कथनों पर वचिार कीजयि ? (2020)

1. कृषि क्षेत्र को अल्पकालकि ऋण वतिरण के संदर्भ में ज़लिा केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCBs) अनुसूचति वाणज्यिकि बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की तुलना में अधकि ऋण प्रदान करते हैं।
2. ज़लिा केंद्रीय सहकारी बैंक के सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में से एक प्राथमकि कृषि साख समतियिों को धन उपलब्ध कराना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (B)

प्रश्न. भारत में 'शहरी सहकारी बैंकों' के संदर्भ में नमि्नलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2021)

1. राज्य सरकारों द्वारा स्थापति स्थानीय मंडलों द्वारा उनका पर्यवेक्षण एवं वनियिमन कयिा जाता है।
2. वे इक्वटिी शेयर और अधमिान शेयर जारी कर सकते हैं।
3. उन्हें वर्ष 1966 में एक संशोधन के द्वारा बैंककारी वनियिमन अधनियिम, 1949 के कार्य-क्षेत्र में लाया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न."गाँवों में सहकारी समिति को छोड़कर ऋण संगठन का अन्य ढाँचा उपयुक्त नहीं होगा।" - अखिल भारतीय ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण। भारत में कृषि वित्त की पृष्ठभूमि में इस कथन की विवेचना कीजिये। कृषि वित्त प्रदान करने वाली वित्तीय संस्थाओं को किन बाध्यताओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? ग्रामीण सेवार्थियों तक बेहतर पहुँच और उनकी सेवा करने के लिये प्रौद्योगिकी का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है? (2014)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/primary-agricultural-credit-societies-1